BSES

अब एटीएम जैसी मशीनों से कीजिए, बिजली बिल का भुगतान

नकद भुगातन भी स्वीकार करेंगी ये अत्याधुनिक मशीनें

- अंग्रेजी के अलावा, हिंदी में भी निर्देश देंगे ये कियॉस्क
- भुगतान करते ही रसीद मिलेगी
- एक ही चेक या एकमुश्त कैश से कर सकते हैं कई बिजली बिलों का भुगतान
- ऐसा करने पर भी अलग– अलग भुगतान के लिए अलग अलग रसीद मिलेगी
- पहले चरण में 10 ऑफिसों में लगाए गए हैं कियॉस्क्स

नई दिल्लीः 4 सितंबर, 2008। बीएसईएस उपभोक्ता अब एटीएम जैसी मशीनों के माध्यम से अपने बिजली बिल का भुगतान कर सकेंगे। बीएसईएस ने अपने ऑफिसों में ऐसे बिल पेमेंट कियॉस्क लगाने शुरू कर दिए हैं। पहले चरण में, बीआरपीएल व बीवाईपीएल के 10 ऑफिसों में ये कियॉस्क लगाए गए हैं। वैसे, कंपनी के उपभोक्ताओं के पास बिल भुगतान करने के 2000 से अधिक विकल्प पहले से ही मौजूद हैं। फिर भी, इन एटीएम जैसी अत्याधुनिक मशीनों के आने से उपभोक्ताओं को और सहूलियतें मिलेंगी। युटिलिटी सेक्टर में, यह अपनी तरह की अनोखी पहल है।

एटीएम की तरह दिखने व काम करने वाले इन इलेक्ट्रॉनिक बिल पेमेंट कियॉस्क की खास बातें ये हैं:

- चेक/ डीडी/ नकद भुगतान – ये इलेक्टॉनिक मशीनें उपभोक्ताओं के चेक व डिमांड डाफ्ट तो स्वीकार करेंगी ही, साथ ही ये नकद भुगतान भी स्वीकार करेंगी। ये कियॉस्क्स बारकोड स्कैनर, एमआईसीआर रीडर आदि से युक्त होंगी। आने वाले दिनों में ये मशीनों क्रेडिट कार्ड के माध्यम से भी भुगतान स्वीकार करेंगी।
- बहुभाषी– ये मशीनें हिंदी व अंग्रेजी, दोनों भाषाओं में निर्देश देंगी, जिससे उपभोक्ताओं के एक विशाल वर्ग को अतिरिक्त फायदा होगा।
- भुगतान कभी भी, कहीं भी– बीएसईएस उपभोक्ता बीएसईएस ऑफिसों में लगे किसी भी कियॉस्क से भुगतान कर सकते हैं और अपनी सुविधा के अनुसार कभी भी भुगतान किया जा सकता है।
- बिना बिल के भी भुगतान संभव– इन कियॉस्क्स पर भुगतान करते वक्त आपको अपने साथ बिजली बिल की कॉपी रखने की जरूरत नहीं है। आप सिर्फ अपना सीआरएन नंबर याद रखें, बाकी किसी भी चीज की जरूरत नहीं पड़ेगी।
- वॉइस गाइडेंस सिस्टम – कियॉस्क में हिंदी और अग्रेजी में अत्याधुनिक वॉइस गाइडेंस सिस्टम उपलब्ध होगा। इससे भुगतान के वक्त उपभोक्ताओं को मिलेगी मदद।
- भुगतान का सबूत– भुगतान करते ही, उपभोक्ताओं को मशीन द्वारा भुगतान के सबूत के तौर पर रसीद मिल जाएगी।
- एक चेक या एकमुश्त कैश से ही कर सकते हैं कई भुगतान– उपभोक्ता सिर्फ एक चेक या एकमुश्म कैश से ही कई बिजली बिलों का भुगतान कर सकते हैं। खास बात यह है कि ऐसा करने पर भी उपभोक्ताओं को अलग–अलग बिल के लिए अलग–अलग रसीद मिलेगी।

बीएसईएस सीईओ श्री अरूण कंचन के मुताबिक– फिलहाल, बीएसईएस इलाकों में ऐसे कुल 10 कियॉस्क लगाए गए हैं– पांच बीआरपीएल इलाके में, और पांच बीवाईपीएल क्षेत्र में। जिन जगहों पर कियॉस्क्स लगाए गए हैं, वे हैं– सरिता विहार, खानपुर, विकासपुरी, जनकपुरी, आरके पुरम, झिलमिल, दिलशाद गार्डन, मयूर विहार–3, लक्ष्मी नगर और शंकर रोड। शुरूआत में ये कियॉस्क सुबह 8 बजे से रात के 8 बजे तक काम करेंगे, लेकिन जल्द ही ये चौबीसों घंटे और सातों दिन काम करना शुरू कर देंगे। यही नहीं, आने वाले दिनों में, ये कियॉस्क बीएसईएस के सभी 33 डिविजनों/ उनके कस्टमर केयर सेंटरों पर लगाए जाएंगे।

बीएसईएस के एक अधिकारी के अनुसार, आने वाले दिनों में इन कियॉस्क्स को और भी कई अनोखी सेवाओं से जोड़ा जाएगा, जैसे– अन्य एजेंसियों के लिए बिल भुगतान, डुप्लिकेट बिल प्रिंटिंग, शिकायत दर्ज कराना, और नए कनेक्शन के लिए आवेदन व उसके लिए भुगतान आदि।

ये स्टेट ऑफ द आर्ट बिल पेमेंट कियॉस्क्स, ट्रांजैक्शन सॉल्यूशन इंटरनेशनल (टीएसआई) इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से लगाए जा रहे हैं। यह ट्रांजैक्शन सॉल्यूशन इंटरनेशनल पब्लिक लिमिटेड की एक सहयोगी कंपनी है, जो कि लंदन में रजिस्टर्ड है और अपने क्षेत्र की एक नामी कंपनी है। भारत में कई बड़े बैंक, मोबाइल फोन और इंश्योरेंस कंपनियां इसके ग्राहक हैं।

बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक, उपभोक्ताओं को लगातार बेहतर और विश्वस्तरीय सेवाएं मुहैया कराने की मुहिम का हिस्सा हैं ये कियॉस्क्स। इन कियॉस्क्स के अलावा, बीएसईएस उपभोक्ता 2000 स्थानों पर अपने बिलों का भुगतान कर सकते हैं। वे एसएमएस, फोन, इंटरनेट, क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग, ऑटो डेबिट, ईजी बिल आउटलेट्स, इट्ज कार्ड, स्काईपैक ड्रॉप बॉक्सेज, प्रोजेक्ट निकट आदि के माध्यम से भी भुगतान कर सकते हैं।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।